

भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 1756  
बुधवार, 13 दिसंबर, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

लू के कारण विनाश

+1756. श्री एन. के. प्रेम चन्द्रन:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या सरकार का देश में लू में बढ़ोत्तरी और तीव्रता से निपटने का विचार है;
- (ख) यदि हां, तो इस पर की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार ने लू के कारण आई आपदा की गंभीरता का आकलन किया है;
- (घ) यदि हां, तो इस पर की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है;
- (ङ) क्या सरकार राष्ट्रीय आपदा अनुक्रिया निधि और राज्य आपदा अनुक्रिया निधि दोनों से आपातकालीन अनुक्रिया, राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए पर्याप्त धन की हकदार है;
- (च) यदि हां, तो इस पर की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है;
- (छ) क्या सरकार का लू के कारण उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों को समर्थ करने का विचार है
- (ज) यदि हां, तो इस पर की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है;
- (झ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर  
पृथ्वी विज्ञान मंत्री  
(श्री किरेन रीजीजू)

(क) जी हां।

(ख) भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने निगरानी और पूर्व चेतावनी प्रणाली में सुधार लाने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं, जिससे देश में की बढ़ती घटनाओं और तीव्रता के दौरान जान-माल की हानि को कम करने में सहायता मिली है। इनमें शामिल हैं:

- i. तापमान एवं लू की स्थिति संबंधी मौसमी, मासिक और विस्तृत अवधि पूर्वानुमान प्रस्तुत किया जाना।
- ii. जिला स्तरों पर लू की स्थिति का प्रभाव आधारित पूर्वानुमान।
- iii. भारत में लू सुभेद्यशीलता एटलस, जिससे राज्य सरकार प्राधिकरणों एवं आपदा प्रबंधन एजेंसियां को योजना बनाने तथा उचित कार्रवाई करने में सहायता मिल सके।
- iv. भारत में गर्म मौसम से उत्पन्न होने वाले जोखिमों का विश्लेषण, जिसमें दैनिक तापमान, हवा तथा आर्द्रता की स्थितियां शामिल हैं।
- v. समग्र देश के लिए हीट इंडेक्स पूर्वानुमान।
- vi. वेब-जीआईएस प्लेटफॉर्म पर रियल टाइम लू जानकारी तथा चेतावनियां।
- vii. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) द्वारा राज्य सरकारों के सहयोग से 23 राज्यों में संयुक्त रूप से हीट एक्शन प्लान (HAPs) क्रियान्वित किए गए।

viii. चेतावनी प्रसार सुविधाओं में सुधार; सही समय पर सार्वजनिक पहुंच हेतु प्रसार प्रणालियों के आधुनिक माध्यमों का प्रयोग करते हुए।

(ग)-(घ) जी हां। यह एक तथ्य है कि, वैश्विक स्तर पर वार्षिक तापमान बढ़ रहा है और इसका प्रभाव भारत सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों में लू की बढ़ती घटनाओं रूप में दिखता है। इसे देखते हुए, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (PHFI) और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) द्वारा "भारत के चार शहरों में गर्मी से संबंधित स्वास्थ्य खतरों की संवेदनशीलता और सीमा का आकलन" पर एक अध्ययन किया गया है। ये चार शहर तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश और ओडिशा राज्य से क्रमशः करीमनगर, कोलकाता, ऑंगोल और अंगुल हैं। यह अध्ययन लोगों की जोखिम, संवेदनशीलता और मुकाबला करने की क्षमता को देखते हुए लू के कारण स्थानीय आबादी की संवेदनशीलता पर केंद्रित है। इस प्रकार इस अध्ययन में लोगों की जोखिम, संवेदनशीलता और मुकाबला करने की क्षमता को देखते हुए लू के कारण स्थानीय आबादी की विभिन्न सुभेद्यताओं को समझने का प्रयास किया गया है। अध्ययन में रुग्णता और मृत्यु दर के संबंध में बहु-क्षेत्रीय डेटा पर लू से संबंधित स्वास्थ्य खतरों की सीमा को भी देखा गया।

(ङ)-(च) जी नहीं। तथापि, लू एक स्थानीय आपदा है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के पास इसका समर्थन करने के लिए राज्य आपदा मोचन निधि (SDRF) और राज्य आपदा शमन निधि (SDMF) के माध्यम से अपने संसाधन उपलब्ध हैं। यदि वित्तीय सहायता के लिए राज्यों से कोई अनुरोध आता है, तो केंद्र सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया (NDRF) और राष्ट्रीय आपदा शमन निधि (NDMF) के लिए प्रासंगिक दिशानिर्देशों के अनुसार इस पर विचार करती है।

(छ)-(झ) भारत मौसम विज्ञान विभाग विभिन्न कालिक एवं स्थानिक पैमानों पर विषम मौसमी घटनाओं से संबंधित पूर्वानुमान एवं चेतावनी जारी करता है, और जरूरी शमन उपाय आरंभ करने के लिए आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों समेत आम लोगों को भी चेतावनी भेजता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने राज्य सरकारों और एनडीएमए के सहयोग से 23 राज्यों में (HPAs) कार्यान्वित किया है। आपदा प्रबंधकों की आवश्यक कार्रवाई के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) द्वारा हीट वेव वल्लरेबिलिटी एटलस प्रकाशित किया गया है। साथ ही, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने हाल ही में प्रभाव आधारित पूर्वानुमान जारी करना शुरू किया है जो 'मौसम कैसा रहेगा' के स्थान पर 'मौसम का क्या प्रभाव होगा' का विवरण देता है।

\*\*\*\*\*